टूटिकोरिन में भूरा पोम्फ्रेट की प्रचुरता

टूटिकोरिन में परंपरागत धीवरों ने अभी तक स्ट्रोमटिडे वर्ग की मछलियों को प्रचुर मात्रा में नही पकडा है। लेकिन दिसंबर 1992 से फरवरी 1993 तक टूटिकोरिन में भूरा पाम्फेट *स्ट्रोमाटियस निगर* ब्लोच की भारी पकड रिकार्ड की गयी है।

दिसंबर, 1992 से फरवरी 1993 तक के तीन महीनो के दौरान 1,78,275 टन भूरा पाम्फेट की पकड 559 मत्स्यन एककों के ज़रिए हुई। उक्त अवधि में प्रति एकक पकड 318.91 कि ग्रा थी। फरवरी महीने के मध्य तक आते आते यह मात्स्यिकी पकड कम हो गई।

टूटिकोरिन की पकड से भूरा पोम्फ्रेट *स्ट्रोमाटियस निगर* ब्लोच, रजत पोम्फेट *आरजेन्टस* और चीनीस पाम्फेट *पोम्फ्रेस चैनसिस* की तीन जातियाँ देखी गयी। भारत के उत्तर पूर्वी, उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी तटों में पाम्फेट प्रचुर मात्रा में उपस्थित है।

मत्स्यन गिअर और मत्स्यन तरीकाएं

टूटिकोरिन में भूरा पाम्फेटो को पकडने केलिए 5.5 से मी आकार वाले जालाक्षियों से युक्त "सिकी वलै" नामक महाचिंगट गिलजाल का उपयोग करता है। हर जाल की 27.5 मी लंबाई, 22 मी ऊँचाई और फुट रोप में 0.5 कि.ग्रा सिंगेर्स और हेड रोप में फ्लाटी शीर्ष होते हैं। इस प्रकार के लगभग 12 जाल दो पोतों में ले जाते है। हर पोत में चार या पाँच व्यक्ति होंगे। मत्स्यन झुण्ड को देखते ही दोनों पोत अलग अलग होकर झुण्ड को घेर कर जाल डालते है। जाल समुद्र तल का स्पर्श करने पर समझना चाहिए कि जाल में मछली फंस गई है और जाल धीरे धीरे खींचता है। मछलियों को पोत के अंदर लाने केलिए 12 से मी और 14 से मी जालाक्षियों वाले छोटे जाल का उपयोग करता है। मत्स्यन केलिए पोत प्रातःकाल में निकलता है और शाम होने पर लौट आता है।

रिपोर्टर

के.पी. साम बेन्नेट और जी. अरुमुखम
सी एम एफ आर आइ टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र, टूटिकोरिन

मात्स्यिकी

भूरा पोम्फेट की मात्स्यिकी दिसंबर 1992 से फरवरी 1993 तक रही। दिसंबर में कुल पकड 14.225 टन और प्रति एकक पकड 100.2 कि.ग्रा थी। जनवरी में प्रति एकक पकड 471.8 कि.ग्रा के साथ कुल पकड 153.800 टन और फरवरी में प्रति एकक पकड 112.6 कि.ग्रा के साथ कुल पकड 10.250 टन था।

पकड में 380 मि मी से 520 मि मी तक कुल लंबाई की मछली प्राप्त हुई थी।

पकड का निपटान और मूल्य संरचना

अवतरण के तुरन्त बाद पकड को नीलाम के ज़रिए निपटान किया गया। इसमें 50% पोत मालिक को मिलता है। बाकी 50% आहार और ईंधन के खर्च कम करके दलों के बीच समतुल्य रूप से बाँटते है। कम पकड के दिनों में पाम्फेट का मूल्य प्रति कि.ग्रा 27 रु से 29 रु तक था। भारी पकड के समय इसका मूल्य प्रति कि.ग्रा 22 रु से 23 रु तक था।

मुख्य शब्द/Keywords

भूरा पोम्फ्रेट - brown pomfret
स्टामाटिडे - stomatidae
चीनी पोम्फ्रेट - chinese pomfret
महाचिंगट गिल जाल - lobster gill net
प्रति एकक पकड - catch per unit